नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश का हिंदी विश्वविद्यालय व्याख्यान

संपादक गणेश मंत्री ने वैचारिक पत्रकारिता को नया आयाम दिया

वर्धा, 28 मार्च 2019: राज्य सभा के उपसभापति और सुपरिचित पत्रकार हरिवंश ने बुधवार, 27 मार्च को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में जाने-माने संपादक एवं पत्रकार गणेश मंत्री पर दिए व्याख्यान में कहा कि

गणेश मंत्री ने वैचारिक पत्रकारिता को नया आयाम दिया। उन्होंने विचारों से प्रभावित समय में स्वस्थ मूल्यों को लोगों

में जे जाने का काम किया। धर्मयुग के संपादक रहते उन्होंने हिंदी पत्रकारिता के फलक को विस्तार दिया।

श्री हरिवंश जी ने पुरोधा संपादकों यथा धर्मवीर भारती, प्रभाष जोशी, गणेश मंत्री तथा नारायण दत्त में से संपादक

गणेश मंत्री पर बुधवार को गालिब सभागार में पहला व्याख्यान दिया। जनसंचार विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। इस अवसर पर मंच पर कार्यकारी कुलसचिव प्रो. के. के. सिंह, मानवीकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अधिष्ठाता एवं जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. कृपा शंकर चौबे, जनसंचार विभाग के एडजंक्ट प्रोफेसर अरुण कुमार त्रिपाठी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जनसंचार विभाग के सहायक प्रोफेसर राजेश लेहकपुरे ने किया।

हरिवंश ने कहा कि गणेश मंत्री के साथ काम करते हुए पत्रकारिता के गुर सीखे और सामाजिक आर्थिक बदलाव की पत्रकारिता की। आज के संदर्भ की पत्रकारिता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज विचारों की पत्रकारिता पर नई तकनीक और पूंजी हावी हो रही है। गणेश मंत्री के दौर के संपादकों ने आज़ादी के मूल्यों को नई पीढ़ी को देने का काम किया और समय पर अपना प्रभाव डाला। वे विनम्र समाजवादी थे। अपनी पत्रकारिता से उन्होंने सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और राजनैतिक सवालों को उठाकर समाज को दिशा देने का काम किया। पत्रकारिता के साथ-साथ उन्होंने गोवा मुक्ति कथा, गांधी और अंबेडकर तथा पत्रकारीय प्रतिबद्धता जैसी पुस्तकों का लेखन भी किया। उनकी पत्रकारिता में उत्सर्ग और पतन का मार्मिक विश्लेषण मिलता है। इस अवसर पर उन्होंने गणेश मंत्री सहित संपादक धर्मवीर भारती, नारायण दत्त, प्रभाष जोशी के साथ काम करते हुए आए अनुभवों को सांझा किया। इस दौरान विद्यार्थियों तथा अध्यापकों द्वारा पूछे उपस्थित किये गये सवालों के जवाब भी उन्होंने दिए।

अध्यक्षीय उदबोधन में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि चारों संपादक रचनात्मक और सृजनात्मक दृष्टि से सक्रिय थे। ऐसे सृजनधर्मी संपादक एवं पत्रकारों पर हरिवंश जी का व्याख्यान सुखद एवं समृद्ध रहा। उन्होंने हरिवंश जी के प्रति आभार जताकर बार-बार विश्वविद्यालय में आने का आग्रह किया। प्रारंभ में चारों पत्रकारों की प्रतिमा पर पुष्पार्पण किया गया। स्वागत कार्यकारी कुलसचिव प्रो. के.के. सिंह ने किया और प्रास्ताविक प्रो. कृपा शंकर चौबे ने किया। कार्यक्रम में जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों की ओर से प्रकाशित मीडिया समय की प्रतियां अतिथियों को भेंट की गयी। इस मौके पर लेखिका रमणिका गुप्ता को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गयी। कार्यक्रम का प्रारंभ डॉ. अप्रमेय मिश्र के संयोजन में विवि के कुलगीत से किया गया तथा समापन वैष्णव जन तो.. गीत से किया गया। इस अवसर पर प्रो. नंदकिशोर आचार्य, आवासीय लेखिका पुष्पिता अवस्थी सहित विश्वविद्यालय के अध्यापक, अधिकारी सहित विवि के शोधार्थी एवं विद्यार्थी प्रमुखता से उपस्थित थे।

राज्य सभेचे उपसभापती हरिवंश यांचे हिंदी विश्वविद्यालयात व्याख्यान
संपादक गणेश मंत्री यांनी वैचारिक पत्रकारितेला नवा आयाम दिला

वर्धा, 28 मार्च 2019: राज्य सभेचे उपसभापति आणि पत्रकार हरिवंश यांनी बुधवार, 27 मार्च रोजी महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात संपादक आणि पत्रकार गणेश मंत्री यांच्या पत्रकारितेवर विशेष व्याख्यान दिले. ते म्हणाले की गणेश मंत्री यांनी वैचारिक पत्रकारितेला एक नवा आयाम दिला. विचारांनी प्रभावित असलेल्या कालखंडात मानवी मूल्य समाजामध्ये रुजविण्याचे काम केले. धर्मयुगचे संपादक असतांना त्यांनी हिंदी पत्रकारितेचा विस्तार केला.

श्री हरिवंश जी यांनी धर्मवीर भारती, प्रभाष जोशी, गणेश मंत्री आणि नारायण दत्त या संपादकांपैकी गणेश मंत्री यांच्यावर बुधवारी गालिब सभागृहात पहिले व्याख्यान दिले. जनसंचार विभागाच्या वतीने आयोजित कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र होते. मंचावर कार्यकारी कुलसचिव प्रो. के. के. सिंह, मानवीकी व सामाजिक विज्ञान विद्यापीठाचे अधिष्ठाता व जनसंचार विभागाचे अध्यक्ष प्रो. कृपा शंकर चौबे, जनसंचार विभागाचे एडजंक्ट प्रोफेसर अरुण कुमार त्रिपाठी उपस्थित होते. कार्यक्रमाचे संचालन जनसंचार विभागातील सहायक प्रोफेसर राजेश लेहकपुरे यांनी केले.

हरिवंश म्हणाले की गणेश मंत्री यांच्याबरोबर काम करतांना पत्रकारितेचे बाळकडू मिळाले. या काळात सामाजिक, आर्थिक परिवर्तनाची पत्रकारिता करतांना अनेक चढउतार अनुभवले. आजच्या संदर्भात ते म्हणाले, आज विचारांच्या पत्रकारितेवर तंत्रज्ञान आणि भांडवल वरचढ ठरत आहे. गणेश मंत्री यांनी सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक आणि राजकीय प्रश्न उचलून समाजाला दिशा देण्याचे, नवी पीढी जागविण्याचे काम पत्रकारितेतून केले. त्यांनी गोवा मुक्ति कथा, गांधी और अंबेडकर तथा पत्रकारीय प्रतिबद्धता अशी पुस्तकेही लिहिली. त्यांच्या पत्रकारितेत उत्सर्ग आणि पतनाचे मार्मिक विश्लेषण अनुभवता येते असेही हरिवंश म्हणाले. त्यांनी गणेश मंत्री यांच्यासह संपादक धर्मवीर भारती, नारायण दत्त, प्रभाष जोशी यांच्याबरोबर काम करतांना आलेले अनुभव सांगितले.

कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र म्हणाले की चारही संपादक रचनात्मक आणि सर्जनात्मक दृष्टिने सक्रिय होते. हरिवंश जींच्या व्याख्यानातून या संपादकांच्या पत्रकारितेचा अनुभव आपणास झाला. त्यांनी हरिवंश जींची आभार मानता पुन्हा-पुन्हा विश्वविद्यालयात येण्याचा आग्रहही केला. प्रारंभी चारही पत्रकारांच्या प्रतिमेवर पुष्पार्पण करण्यात आले. स्वागत कार्यकारी कुलसचिव प्रो. के.के. सिंह यांनी तर प्रास्ताविक प्रो. कृपा शंकर चौबे यांनी केले. यावेळी विद्यार्थ्यांनी प्रकाशित केलेल्या मीडिया समय अंकाच्या प्रती अतिथींना देण्यात आल्या. कार्यक्रमाचा कुलगीताने तर समारोप वैष्णव जन तो.. या गीताने करण्यात आला. यावेळी लेखिका रमणिका गुप्ता यांना दोन मिनीटांचे मौन राखून श्रद्धांजलि वाहण्यात आली. कार्यक्रमाला प्रो. नंदकिशोर आचार्य, आवासीय लेखिका पुष्पिता अवस्थी यांच्यासह अध्यापक, अधिकारी, शोधार्थी व विद्यार्थी मोठया संख्येने उपस्थित होते.

मा. संपादक/संवाददाता महोदय,

कृपया संलग्न समाचार को प्रकाशित कर अनुगृहीत करें। धन्यवाद।